₹ 30/-

साहित्य अमृत

RNI No. 62112/95

अक्तूबर 2025 • साहित्य एवं संस्कृति का संवाहक • मासिक • पृष्ठ 84 • ISSN 2455-1171

साहित्य अमृत

मासिक

आश्विन-कार्तिक संवत्-२०८२ ❖ अक्तूबर २०२५

वर्ष-३१ ❖ अंक-०३ ❖ पृष्ठ ८४ यू.जी.सी.-केयर लिस्ट में उल्लिखित RNI No. 62112/95 ISSN 2455-1171

संस्थापक संपादक
पं. विद्यानिवास मिश्र

निवर्तमान संपादक
डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी
श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

संस्थापक संपादक (प्रबंध)
श्री श्यामसुंदर

प्रबंध संपादक
पीयूष कुमार

संपादक
लक्ष्मी शंकर वाजपेयी

संयुक्त संपादक
डॉ. हेमंत कुकरेती

उप संपादक
उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'

कार्यालय
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-०२
फोन : ०११-२३२८९७७७
०८४४८६१२२६९
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

शुल्क

एक अंक—₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

साहित्य अमृत के बैंक खाते का विवरण
बैंक ऑफ इंडिया
खाता सं. : 600120110001052
IFSC : BKID0006001

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी पीयूष कुमार द्वारा ४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२ से प्रकाशित एवं न्यू प्रिंट इंडिया प्रा.लि., ८/४-बी, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-IV, गाजियाबाद-२०१०१० द्वारा मुद्रित।

इस अंक में

✍ संपादकीय
समय बदलता है… ४

✍ प्रबंध संपादकीय
शब्दों की यात्रा और समय का सच ६

✍ प्रतिस्मृति
कलाकार की मुक्ति/अज्ञेय ७

✍ कहानी
ठसक/अश्विनीकुमार दुबे १०
आग क्यों लगाई ?/सुबोध मिश्र १८
खुशियों वाली दीवाली/मंजरी शुक्ला २८
नींद, सपने और बारिश/तीर्थराज शर्मा ३८
अम्मा/वीना सिंह ६०

✍ लघुकथा
स्वावलंबी/अशोक अंजुम २३
पेइंग गेस्ट/अशोक अंजुम ५५
बाँस की सीख/रमेश चोपड़ा ६८

✍ आलेख
दीवाली और लक्ष्मी पूजन/तरुण कुमार दाधीच ९
वैश्विक स्वरूप लेती दीपावली/गौरीशंकर वैश्य 'विनम्र' १५
आराधना छठी माता की/चितरंजन भारती २२
जीवन ही गद्य-काव्य रहा/राजशेखर व्यास ३०
भारत में स्वातंत्र्य चेतना की अखंड व्याप्ति और विधर्मी आक्रमण के प्रतिरोध का साहित्य/अजीत कुमार पुरी ४२
बापू की बुनियादी शिक्षा/अजीत अवस्थी ६६

✍ कविता
बचपन छीन रहा मोबाइल/श्रीराम मीना १७
उदासी के रंगों की खोज/केशवेंद्र कुमार २१
जलता रहे दीपक/मनीषा गिरि ३३
सात गजलें/तारा चंद 'नादान' ४१
चार कविताएँ/कर्नल राहुल शर्मा ५१
आन गाँव से आए बच्चे/सूर्य प्रकाश मिश्र ६५
अनूठी शान है हिंदी/शंभु शरण मंडल ७१
ज्ञान की टोपी/प्रियंका सौरभ ७६

✍ व्यंग्य
खोजत-खोजत हे सखी/मुरली मनोहर श्रीवास्तव २४
जी हाँ, सैल्यूट तो बनता है…/आलोक सक्सेना ५८

✍ डायरी-अंश
स्मृतियाँ और साधना/आशा बाबा भांड २६

✍ ललित-निबंध
काल, कला और गति/राजेश कुमार व्यास ३४

✍ यात्रा-संस्मरण
श्रीजगन्नाथजी बाहुड़ा यात्रा कथा/प्रेमपाल शर्मा ४६

✍ साहित्य का भारतीय परिपार्श्व
क्वींस लैंड/आगाजबीर ५२

✍ साहित्य का विश्व परिपार्श्व
एक ही स्वर/फातिमा हैदरी ६९

✍ बाल-संसार
मछलियों ने किया मुकदमा/ऋचा उपाध्याय ५६
अतिशबाजी : खतरे ही खतरे/घमंडीलाल अग्रवाल ७२

✍ लोक-साहित्य
लोकगीतों और लोककथाओं में दीपावली का स्वरूप/नृपेंद्र अभिषेक 'नृप' ७४

✍ वर्ग-पहेली ७७
✍ पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ७८
✍ साहित्यिक गतिविधियाँ ७९

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।